श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, 9 फरवरी को जो घोषणा की गई थी आज उसे सभा पटल पर रखा जा रहा है। क्या इतना समय सरकार के लिए पर्याप्त नहीं था कि उस का हिन्दी अनुवाद कराकर वह उसे सभा पटल पर रखते ? यह हिन्दी की कब तक अवहेलना होती रहेगी ? मुझे खुशी है कि मावलंकर जी ने यह मामला उठाया। वह हिन्दी-भाषी नहीं हैं। दोनों भाषाओं में काम चले यह संसद का फैसला है। सरकार उस का पालन नहीं करती और आप उस की कान-खिंचाई नहीं करते।

अध्यक्ष महोदय : मैं कितनी दफे किया करूं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आप ने कहा था कि सब के साथ बैठ कर जिस में गृह मंत्री भी होंगे, इस बारे में कोई फैसला किया जायगा।

अध्यक्ष महोदय : इस की अभी बैठक विधि मंत्री जी नये आए हैं, उन के साथ करनी है। मंत्री बदल गए हैं।

SHRI MOHAN DHARIA: What I have laid on the Table is only amendment to the rules. It is not as if we have laid some set of old rules on the Table. Regarding the Hindi version, I am told that if it is from a State and it is in the regional language, the Hindi version need not be placed on the Table. However, I am prepared to take it up with the Home Minister.

MR. SPEAKER: I would like to discuss with the Home Minister as to what should be the procedure in such matters because this question comes up now and again in one form or another.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इस बारे में आप का फैसला अन्तिम होगा।

अध्यक्ष महोदय : मेरा तो है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभा पटल पर किस भाषा में कागज रखा जाय यह प्रदेश सरकार तय नहीं कर सकती, केन्द्र सरकार तय नहीं कर सकती, यह तो आप को देखना है।

अध्यक्ष महोदय : देखना पड़ेगा कि जब रीजनल लैंग्वेज में आ जाता है तो अगर यहां आना हो तो यहां तो रीजनल लैंग्वेज नहीं चलती। यहां तो हिन्दी बोलने वाले भी बैठे है।

SUGARCANE (CONTROL) AMENDMENT ORDINANCE, 1974

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): I beg to lay on the Table a copy of the Sugarcane (Control) Amendment Order, 1974, (Hindi and English versions) published in Notification No. GSR 402(E) in Gazette of India dated the 25th September, 1974, under sub-section (6) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955. [*Placed in Library See* No. LT-8429/74].

SHRI JYOTIRMOY BOSU: The increased sugar price has brought in a huge amount as profit to the mill-owners. I want to know whether any portion of it has been passed on to the sugarcane growers.

MR. SPEAKER: Now the Minister is only laying a paper. If he wants any information, he can give notice of a question.